राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक बुलेटिन

आप की आवाज

www.aapkiawaaznews.in

नई दिल्ली,समस्तीपुर से एक साथ प्रकाशित

तेज खबर तेज असर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

वर्ष: 04 | अंक : 123 | गुरूवार 14 अगस्त 2025 | पृष्ठ – 06 | मूल्य : 3 रूपये

पहले 7 पेपर थे, अब तो 11 में से कोई 1 मांग रहे

● सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर को माना वोटर फ्रेंडली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चल रहे चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता हितैषी बताया है। वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने बुधवार को यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि पूर्व में हुए संक्षिप्त पुनरीक्षण में 7 दस्तावेज मान्य थे, मगर अभी के विशेष गहन पुनरीक्षण में 11 दस्तावेजों का विकल्प मतदाताओं को दिया गया है। इससे लगता है कि यह मतदाता के हित में है। सुप्रीम कोर्ट में 24 जून के फैसले के चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। याचिकाकर्ताओं ने एसआईआर में चुनाव आयोग द्वारा आधार कार्ड को स्वीकार नहीं करने पर सवाल उठाए हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आयोग ने आधार के अलावा भी बड़ी संख्या में

दस्तावेज का विकल्प दिया है, जो समावेशी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि मतदाताओं को लिस्ट में शामिल 11 दस्तावेजों में से कोई एक जमा करना अनिवार्य है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने इससे असहमति जताई और कहा कि दस्तावेजों की संख्या भले ही ज्यादा हो, लेकिन उनका कवरेज सबसे कम है। उन्होंने पासपोर्ट का उदाहरण दिया और कहा कि बिहार में यह केवल एक से दो प्रतिशत लोगों के पास ही यह दस्तावेज है। राज्य में स्थायी निवासी प्रमाण पत्र देने का कोई प्रावधान नहीं है। इस पर बेंच ने कहा कि राज्य में 36 लाख लोगों के पास पासपोर्ट है, तो इसका कवरेज ठीक है। जस्टिस बागची ने कहा कि अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों से फीडबैक लेने के बाद आमतौर पर दस्तावेजों की सूची तैयार की जाती है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। अदालत ने कहा था कि शामिल करना या बाहर करना ईसी का अधिकार है।

बस यादों में रह जाएगी 133 साल पुरानी यह कंपनी !

● हर घर से रहा है इसका नाता, अब वजूद बचाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। फोटोग्राफी कंपनी ईस्टमैन कोडक बंद होने के कगार पर है। 133 साल पुरानी इस कंपनी ने निवेशकों से कहा है कि उसके लिए लंबे समय तक अपना वजूद बचा पाना मुश्किल है। अपनी अर्निंग रिपोर्ट में कंपनी ने कहा कि उसे 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देना है लेकिन इसके लिए उसके पास नकदी नहीं है। हालांकि कंपनी का

कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में लगाए गए टैरिफ से उसके बिजनेस पर कोई असर नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि उसके प्रोडक्ट जैसे कैमरे, इंक और फिल्म अमेरिका में ही बनते हैं। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में 25 फीसदी से अधिक गिरावट आई। इस कंपनी की स्थापना 1982 में ईस्टमैन कोडक कंपनी के रूप में हुई थी। लेकिन इसका इतिहास 1879 में शुरू हुआ जब जॉर्ज ईस्टमैन को प्लेट कोटिंग मशीन के लिए पेटेंट मिला। साल 1888 में अपना पहला कोडक कैमरा 25 में बेचा। उस जमाने में फोटोग्राफी बिजनेस के लिए खास तरह के स्किल और इक्विपमेंट की जरूरत होती थी।

नीतिश सरकार का स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में बड़ा कदम

● अब पीएनजी और सीएनजी से दौड़ेंगे वाहन, प्रदूषण होगा कम

पटना (एजेंसी)। सीएनजी के उपयोग को प्रोत्साहित करने और वाहन जनित प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड के सहयोग से बुधवार को एक दिवसीय राज्य स्तरीय सीएनजी सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वाहन निर्माता कंपनी, सीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, विभिन्न ऑयल कंपनी, पर्यावरण विशेषज्ञ, संबंधित स्टेकहोल्डर डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों के साथ ट्रांसपोर्टरों ने भाग लिया। अपर मुख्य सचिव

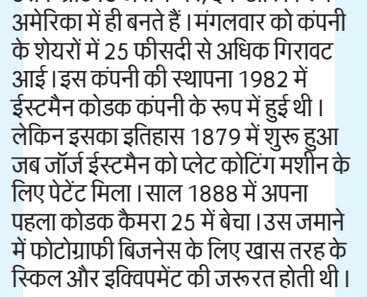

मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के वाहनों को आसानी से सीएनजी उपलब्ध हो इसके लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम सहित अन्य बस स्टैंडों पर भी सीएनजी स्टेशन स्थापित किये जायेंगे। सीएनजी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोगकर्ताओं के बीच पाइप्ड नेचुरल गैस को बढ़ावा देने के लिए एवं वाहनों में सीएनजी के उपयोग के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। अधिक से अधिक लोग जागरुक हो सकें।

'क्रीमी लेयर' पर बड़े ऐक्शन की है तैयारी

● ओबीसी आरक्षण में बदल सकती है इनकम की सीमा

केंद्र ने कहा-ओबीसी वर्ग में निष्पक्षता लाना है उद्देश्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ पाने के लिए क्रीमी लेयर के इनकम की सीमा में एक समानता लाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मतलब, सभी तरह की सरकारों, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों या प्राइवेट संस्थानों के लिए ओबीसी की क्रीमी लेयर की आय सीमा एक ही रखने पर मंथन चल रहा है। ऐसा करने का मकसद ये है कि ओबीसी क्रीमी लेयर में यह निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके कि कौन इसके दायरे में आता है और किसे इससे बाहर रखा जाना चाहिए। ऐसा करने से ये होगा कि अलग-अलग

संगठनों और संस्थाओं में इस आधार पर भेदभाव नहीं हो सकेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार ओबीसी आरक्षण के तहत क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए आय की सीमा सभी संस्थाओं के लिए एक समान रखने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मतलब, ऐसा होने से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पीएसयू, विश्वविद्यालय या अन्य ऐसी संस्थानों के लिए ओबीसी आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा एक ही रखी जाएगी। ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर की शुरुआत 1992 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से हुई थी। यह केस इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ से संबंधित था। क्रीमी लेयर का लक्ष्य यह तय करना था कि ओबीसी में जो सक्षम वर्ग है, उसे आरक्षण के लाभ से दूर रखा जाए, ताकि जरूरतमंदों को इसका पूर्ण लाभ मिल सके। 2017 में केंद्र ने क्रीमी लेयर की सीमा बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष कर दी और अभी भी यह लागू है।

पीएम मोदी अगले महीने जा सकते हैं अमेरिका

● रिपोर्ट-यूएन महासभा की बैठक में लेंगे हिस्सा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जा सकते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा की सालाना बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी का यह दौरा सितंबर के आखिरी हफ्ते में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरे का असली मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात कर व्यापार और टैरिफ से जुड़े विवाद सुलझाना है। इस दौरान दोनों नेता एक ट्रेड डील का ऐलान भी कर सकते हैं। यूएन में मोदी के भाषण के लिए 26 सितंबर का वक्त तय है। मोदी इस दौरान ट्रम्प और अन्य नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी कहा है कि उनकी मोदी से मुलाकात सितंबर में हो सकती है।

कंटेनर में घुसी पिकअप 11 लोगों की मौत

● राजस्थान के दौसा में भीषण हादसा, 10 से ज्यादा घायल

सभी उत्तरप्रदेश के रहने वाले, खाटूश्याम से लौट रहे थे

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप खड़े कंटेनर में घुस गई। एक्सीडेंट में 7 बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। सभी उत्तर प्रदेश के एटा और फिरोजाबाद के रहने वाले हैं। एक्सीडेंट बुधवार सुबह करीब 3.30 बजे नेशनल हाईवे-148 पर सैंथल थाना के बापी गांव में हुआ।

एटा के जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह ने बताया कि असरौली (एटा) गांव से करीब 45 श्रद्धालु दो पिकअप में खाटूश्याम गए थे। वापसी में महिलाओं-बच्चों से भरी पिकअप का एक्सीडेंट हो गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिस पिकअप का एक्सीडेंट हुआ है उसमें 22 से ज्यादा श्रद्धालु थे।

इनमें 10 की मौत दौसा में हुई है। वहीं, एक गंभीर घायल ने जयपुर के हॉस्पिटल में दम तोड़ा है। मृतकों में पूर्वी (3), प्रियंका (25), दक्ष (12), शीला (35), सीमा (25), अंशु (26) और सौरभ (35) हैं। 4 मृतकों की पहचान नहीं हुई है। हादसे के 4 घायलों को दौसा के जिला अस्पताल में, जबकि गंभीर घायलों को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया है। एम्स में भर्ती लोगों में लक्ष्य (5), नैतिक (6), रीता (30), नीलेश कुमारी (22), प्रियंका (19), सौरभ (28), मनोज (28) व एक अन्य है। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि पिकअप सड़क किनारे खड़े कंटेनर में घुस गई थी।

स्वतंत्रता दिवस पर मीट की दुकानें बैन करने पर विवाद

● ओवैसी की नाराजगी, कहा- इसका नॉनवेज का क्या रिश्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बाद तेलंगाना में भी 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर मीट की दुकानें और बूचड़खाने बंद रखने के आदेश विवाद बढ़ गया। पिछले तीन दिन में ओल्ड हैदराबाद सिटी की नगर निगम के अलावा, ठाणे जिले के कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, छत्रपति शिवाजी नगर पालिका प्रशासन ने ऐसे आदेश दिए। मीट बैन के फैसले पर शिवसेना (यूबीटी) के विधायक

आदित्य ठाकरे ने नाराजगी जताई है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- यह धर्म का मामला नहीं है और न ही यह राष्ट्रीय हित का मामला है। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को ओल्ड हैदराबाद सिटी के आदेश को असंवैधानिक बताया। कहा कि गोश्त खाने से 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस का क्या लेना-देना है। इस फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र में भी विरोध हो रहा है। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इसे गलत बताया है।

विपक्ष भी उतारेगा उपराष्ट्रपति उम्मीदवार, 18 को होगी मीटिंग

● खड़गे इंडिया ब्लॉक के नेताओं से कर रहे बात, चुनाव 9 सितंबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता उपराष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को बैठक कर सकते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और उसी दिन मतगणना भी होगी। उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था। भाजपा की तरफ से थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है। लोकसभा में कुल 542 सदस्यों में से एनडीए के पास 293 और इंडिया गठबंधन के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में 240 सदस्यों की प्रभावी संख्या में से एनडीए को करीब 130 और गठबंधन को 79 का समर्थन है।

भाजपा का दावा-सोनिया भारतीय नागरिक बनने से पहले वोटर बनीं

● अनुराग बोले-रायबरेली में एक पते पर 47 वोटर्स, राहुल को ये कभी नहीं दिखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोटर लिस्ट में गड़बड़ी में आरोपों के बीच भाजपा की आईटी सेल के हेड अमिल मालवीय ने बुधवार को दावा किया कि सोनिया गांधी का नाम भारत की वोटर लिस्ट में दो बार तब शामिल हुआ, जब वह भारतीय नागरिक भी नहीं थीं। वहीं, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि रायबरेली में एक ही घर पर 47 वोटर्स कैसे रजिस्टर किए गए हैं, राहुल और सोनिया को कभी ये नाम नहीं दिखे।

उन्होंने कहा, राहुल दो बार चुनाव लड़े, प्रियंका एक बार चुनाव लड़ीं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वायनाड में कैसे नए वोटर्स की एडीशन हुई है। आपने तो तीन बार वोट ले लिया। क्या आपने यह कभी नहीं देखा। यह कैसे हुआ। भाजपा ने यह दावा उस समय किया है जब राहुल और विपक्ष चुनाव आयोग और भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं।

श्री बांके बिहारी मंदिर अध्यादेश को मिल गई मंजूरी

● उत्तरप्रदेश विधानसभा ने पास किया मंदिर अध्यादेश ● यूपी सरकार को चढ़ावा, संपत्ति और प्रशासन का मिला हक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन श्री बांके बिहारी मंदिर निर्माण आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हुई। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस बीच सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया। सुबह सरकार की तरफ से मथुरा स्थित विश्वप्रसिद्ध श्री बांके बिहारी जी मंदिर के संचालन, संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ' श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास

अध्यादेश , 2025' विधानसभा के पटल पर रखा गया। सरकार ने कहा कि यह अध्यादेश परंपरागत पूजा-पद्धति और धार्मिक मान्यताओं को बिना छुए, प्रबंधन, सुरक्षा और सेवा-सुविधाओं को आधुनिक स्वरूप देने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस अध्यादेश के लागू होने से श्री बांके बिहारी जी मंदिर न केवल अपनी प्राचीन आध्यात्मिक परंपराओं को बनाए रखेगा, बल्कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक अनुभव भी प्रदान करेगा। अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई।

● **मंदिर न्यास में सिर्फ हिंदू ही होंगे सदस्य-** न्यास का संचालन 18 सदस्यीय न्यासी बोर्ड करेगा। इसमें 11 मनोनीत सदस्य होंगे, जिनमें 3 वैष्णव परंपरा से, 3 अन्य सनातन परंपराओं से, 3 विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति, 2 गोस्वामी परंपरा से (राज-भोग व शयन-भोग सेवायत) होंगे। इसके अतिरिक्त 7 पदेन सदस्य होंगे, जिनमें जिलाधिकारी मथुरा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ, धर्मार्थ कार्य विभाग का एक अधिकारी, श्री बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार द्वारा नामित एक सदस्य सम्मिलित होंगे। मनोनीत न्यासियों का कार्यकाल 3 वर्ष होगा, पुनर्नियुक्ति अधिकतम दो बार हो सकेगी। सभी न्यासी हिंदू और सनातन धर्म मानने वाले होंगे।

संपादकीय

सड़क पर विरोध

चुनाव आयोग की सत्तारूढ़ दल भाजपा की मिली-भगत को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद मचे घमासान के दरम्यान चुनाव आयोग को चुराओ आयोग कहते हुए विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया और हिरासत में ले लिया। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत विभिन्न दलों के नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाकर कुछ समय बाद छोड़.दिया गया। गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है। पुलिस ने इस हंगामे पर मीड़िया को स्पष्टीकरण दिया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बचाने के लिए उन्हें रोका गया। चूंकि चुनाव आयोग ने तीस सांसदों को मिलने आने को कहा था परंतु दो सौ सांसद मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े.जो हाथों में तख्तियां लहराते हुए नारेबाजी भी कर रहे थे। आरोप है कि इनके साथ पार्टी कार्यकताओं की भीड़.भी थी। भाजपा ने इसे अराजकता की स्थिति पैदा करने की सोची-समझी रणनीति करार दिया। सत्ता पक्ष ने विपक्ष की आलोचना करते हुए, चुनाव आयोग पर हमले बर्दाश्त न करने की भी बात की। महाराष्ट्र चुनाव परिणामों के बाद से विपक्षी दल वोटों में हेरफेर के आरोप लगा रहे हैं। कर्नाटक लोक सभा चुनाव के दरम्यान भी ऐसी ही बात उठी थी। बिहार में ऐन चुनाव से पहले हुई मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण से इस विवाद को और बल मिला। हालांकि सरकार द्वारा संवैधानिक संस्था को बदनाम करने के प्रयास की आलोचना करना भर संदेह के दायरे को बढ़ाता है। लोकतंत्र में विपक्ष के महत्त्व को कमतर नहीं आंका जा सकता। उनके आरोपों का खंड़न करते हुए, संतोषजनक जवाब देना सरकार तथा आयोग का दायित्व है। सदन में हंगामा करना या सड़कों पर विरोध प्रदर्शन अनूठी बात नहीं है। बेशक, गांधी के दावे न्यायिक दावों पर खरे नहीं उतरते या यह सारा विरोध मात्र जनता का ध्यानाकर्षित करना तथा चर्चा में आना है तो इसका भी खुलासा किया जाना जरूरी है। चुनावी दंगल में आरोप-प्रत्यारोपों का यह दांव नया नहीं है मगर किसी संवैधानिक संस्था पर कीचड़.उछालने को भी जायज नहीं कहा जा सकता।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

प्रार्थना और ध्यान का महत्व

प्रार्थना और ध्यान मनुष्य के जीवन में आत्मिक ऊर्जा, मानसिक शांति और सकारात्मक दृष्टिकोण के अद्वितीय साधन हैं। ये न केवल धार्मिक आस्था से जुड़े हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

1. प्रार्थना का महत्व

प्रार्थना का अर्थ है ईश्वर से संवाद करना। यह हृदय की गहराइयों से निकली हुई सच्ची भावना है, जिसमें हम अपने सुख-दुःख, कृतज्ञता और इच्छाओं को परमात्मा के समक्ष रखते हैं। प्रार्थना हमें विनम्रता सिखाती है, अहंकार को दूर करती है और आत्मविश्वास देती है कि एक परम शक्ति हमारे साथ है। नियमित प्रार्थना से मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं और कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की शक्ति मिलती है।

2. ध्यान का महत्व

ध्यान का अर्थ है अपने मन को एकाग्र कर, अनावश्यक विचारों से मुक्त करना। ध्यान मानसिक अशांति को कम करता है, तनाव और चिंता को दूर करता है तथा आत्मचेतना को बढ़ाता है। यह हमें वर्तमान क्षण में जीना सिखाता है और हमारी सोच को स्पष्ट, गहरी और रचनात्मक बनाता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि ध्यान मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाता है और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

3. प्रार्थना और ध्यान का संयोजन

जब प्रार्थना और ध्यान एक साथ किए जाएं, तो उनका प्रभाव और भी गहरा होता है। प्रार्थना से हम ईश्वर से जुड़ते हैं, जबकि ध्यान हमें अपने भीतर की ईश्वर-चेतना तक ले जाता है। यह संयोजन जीवन में शांति, प्रेम और आत्मबल लाता है।

4. निष्कर्ष

आज की भाग-दौड़ भरी और तनावपूर्ण जिंदगी में प्रार्थना और ध्यान की आदत अपनाना अत्यंत आवश्यक है। ये न केवल हमारे मानसिक और भावनात्मक संतुलन को बनाए रखते हैं, बल्कि हमें सही दिशा और उद्देश्य की ओर अग्रसर करते हैं।

प्रार्थना और ध्यान वह दीपक हैं जो अंधकार में भी मार्ग दिखाते हैं और जीवन को प्रकाशमय बनाते हैं।

अनिल माथुर
जोधपुर (राजस्थान)

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दशार्ता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निमार्ताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा ह्रसेवा और संस्कारह्व के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निमार्ता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्त्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

अखंड भारत स्मृति दिवस : अखंड भारत के मायने विश्व गुरु

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में जब कहीं से भी देश को तोडने की बात आती है तो स्वाभाविक रूप से उसका प्रतिकार भी जबरदस्त तरीके से होता है। यह प्रतिकार निश्चित रूप से उस राष्ट्रभक्ति का परिचायक है, जो इस भारत देश को देवभूमि भारत के रूप में प्रतिस्थापित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने का अतुलनीय सामर्थ्य रखती है। यह आज के समय की बात है, लेकिन हम उस काल खंड का अध्ययन करें, जब भारत के विभाजन हुए। उस समय के भारतीयों के मन में विभाजन का असहनीय दर्द हुआ। जो असहनीय पीड़ा के रूप में उनके जीवन में प्रदर्शित होता रहा और देश को जगाते जगाते वे परलोक गमन कर गए। अभी तक भारत देश के सात विभाजन हो चुके हैं। जरा कल्पना कीजिए कि अगर आज भारत अखंड होता तो वह दुनिया की महाशक्ति होता। उसके पास मानव के रूप में जनशक्ति का प्रवाह होता। लेकिन विदेशी शक्तियों ने भारत के कुछ महत्वाकांक्षी शासकों को प्रलोभन देकर भारत पर एकाधिकार किया और योजना पूर्वक भारत को कमजोर करने का प्रयास किया। आज जिस भारत की तस्वीर हम देखते हैं, वह अंग्रेजों और उन जैसी मानसिकता रखने वाले लालची भारतीयों द्वारा किए गए कुकृत्यों का परिणाम ही है, लेकिन आज भी भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जिनकी आंखों में अखंड भारत का सपना है। उनके मन में अखंड भारत बनाने का संकल्प है। इसी संकल्प के आधार पर वे सभी इस दिशा में सार्थक प्रयास भी कर रहे हैं।

भारत के मनीषी और राष्ट्र के साथ एकात्म भाव रखने वाले महर्षि अरविंद ने विभाजन के असहनीय दर्द को आम जन की दृष्टि से देखने का आध्यात्मिक प्रयास किया। तब उनकी आंखों के सामने अखंड भारत का स्वरूप दिखाई दिया। योगीराज महर्षि अरविंद ने 67 वर्ष पूर्व 1957 में कहा था कि देर कितनी भी हो जाए, पाकिस्तान का विघटन और उसका भारत में विलय होना निश्चित है। राष्ट्र के प्रति इसी प्रकार का एकात्म भाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी के जीवन में भी दृष्टव्य होता रहा। वे अपने शरीर को भारत देश की प्रतिकृति ही मानते थे। जब भी देश पर कोई संकट आता था, तब उनके शरीर में वैसा ही कष्ट होता था। इसलिए कहा जा सकता है कि उनको राष्ट्र की समस्याओं का पूर्व आभास भी होता था। जहां तक अखंड भारत की बात है तो यह मात्र कहने भर के लिए ही नहीं, बल्कि एक शाश्वत विचार है, जो आज भी भारत की हवाओं में गुंजायमान होता रहता है।

विचार करने वाली बात यह भी है कि जब भारत देश के टुकड़े नहीं हुए थे, तब हमारा देश पूरे विश्व में ज्ञान का आलोक प्रवाहित कर रहा था। विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान भारत के संत मनीषियों के पास विद्यमान था। इसलिए भारत के सिद्ध संत केवल भारत के संत न होकर जगद्गुरू के नाम से विख्यात हुए। उनकी दृष्टि में पूरा विश्व एक परिवार की तरह ही था। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि भारत कई बार विभाजित होता रहा और आज जो भारत दिखाई देता है, वह भारत का एक टुकड़ा भर है।

भारत के विभाजन का अध्ययन किया जाए तो हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि यह विभाजन भारत की भूमि के टुकड़े करके ही हुए हैं। जिस भारत को हम माता के स्वरूप में पूजते आए हैं, उसे कम से कम वे लोग तो स्वीकार नहीं कर सकते, जो भारत की भक्ति में लीन हैं। इतिहास का अध्ययन करने से पता चलता है कि महाभारत कालीन गांधार देश यानी आज का अफगानिस्तान वर्ष 1747 में भारत से अलग हो गया। इसी प्रकार 1768 से पूर्व नेपाल भी भारत का अंग ही था। 1907 में भारत से अलग होकर भूटान देश बना। 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ। 1948 में श्रीलंका अस्तित्व में आया। इसी प्रकार पाकिस्तान के साथ अलग हुए बांगलादेश 1971 में एक अलग देश के रूप में स्थापित हुआ। जरा विचार कीजिए ये सभी देश आज भारत का हिस्सा होते तो भारत की शक्ति कितनी होती? आज कोई अखंड भारत की बात करता है तो कई लोग इसे असंभव कहने में संकोच नहीं करते। यहां पहली बात तो यह है कि हम किसी देश को छीनने की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने देश के विभाजित भाग को भारत में मिलाने की ही बात कर रहे हैं। कभी भारत के हिस्से रहे देश को भारत में मिलाने की बात करना असंभव नहीं माना जा सकता। आज धीरे ही सही, लेकिन भारत उस दिशा की ओर प्रवृत हुआ है। जबकि जो देश भारत से अलग हुए हैं, उनमें से अधिकांश देश बहुत बुरे दौर से गुजर रहे हैं। श्रीलंका की स्थिति सबके सामने आ चुकी है। पाकिस्तान भी उसी राह पर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बांगलादेश में भुखमरी के हालात हैं। अफगानिस्तान खौफ के वातावरण में जी रहा है। सवाल यह उठता है कि इन देशों को भारत से अलग होने के बाद क्या मिला? कुछ नहीं।

वर्तमान में भारत में राष्ट्रीय एकता का भाव भी है तो भारत की संस्कृति का प्रवाह भी। भारतीय संस्कृति सबको जोड? का प्रयास करती है, जबकि अन्य संस्कृति में विश्व बंधुत्व का भाव नहीं है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरे विश्व को एक ऐसी दिशा का बोध कराया जा सकता है, जहां शांति भी है और प्रगति के रास्ते भी हैं। अब इस दिशा में और अधिक तेजी से कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए अब समय अनुकूल है। इसलिए सभी भारतीय नागरिक इस दिशा में आगे आकर उस प्रवाह में शामिल होने का प्रयास करें, जो भारत को अखंड बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अखंड भारत की संकल्पना जहां भारत को ठोस आधार प्रदान करने में सहायक होगा, वहीं यही आधार भारत को पुनः विश्व गुरू के सिंहासन पर आसीन करेगा, यह तय है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

वोट चोरी राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन और पुतला किया दहन

खगड़िया/वोट चोरी के मुद्दे पर इण्डिया गठबंधन के सभी सांसदो के साथ नेता विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव आयोग से मिलने जा रहे थे उन्हें रोककर हिरासत में ले लिया गया,इसी के खिलाफ खगड़िया जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा जिला अध्यक्ष डॉ-अविनाश कुमार अविनाश के नेतृत्व में विरोध-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम जिला कांग्रेस कार्यालय से निकलकर विरोध-प्रदर्शन करते हुए राजेन्द्र चौक खगड़िया के समीप पी एम नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका जिसमें केन्द्र सरकार के खिलाफ वोट चोर गद्दी छोड़ के नारों के साथ दर्जनों की संख्या कांग्रेसी कार्यकताओं ने जमकर केन्द्र सरकार के खिलाफ भड़ास निकाले,उक्त मौके पर जिला अध्यक्ष डा0अविनाश कुमार अविनाश ने केन्द्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए

कहा कि चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रही है,उन्होंने कहा कि एस आई आर को निरस्त कर चुनाव आयोग को ईमानदारी से काम करना चाहिए,विरोध-प्रदर्शन में कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव डॉ0 चंदन यादव,पूर्व जिला अध्यक्ष सह प्रदेश डेलिगेट कुमार भानु प्रताप उर्फ गुड्डू पासवान,जिला प्रवक्ता अरुण कुमार कुमार अधिवक्ता,महिला नेत्री गायत्री भारती, बबीता देवी,शमा प्रवीण,ज्योति कुमारी,
कांग्रेस नेता राजीव उर्फ गुड्डू, रामचंद्र यादव,प्रवीण कुमार पंकज, रत्न, नवीन कुमार,रूपेश पटेल,मनोज चौधरी,रौशन चंद्रवंशी,सन्नी कुमार, मो0 मेराज,फूलचन्द्र यादव,अवनी कुमार आदि शामिल हुए।

जिलाधिकारी ने की विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

अमरदीप नारायण प्रसाद
समस्तीपुर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह-जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर रौशन कुशवाहा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष / सचिव के साथ बैठक आयोजित कर विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित विचार विमर्श किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया कि सभी मतदान केन्द्रों पर BLO कार्यरत है, अपने BLA को निदेशित करें कि वें BLO को इस कार्य में सहायता करें। 13 दिनों के बाद भी BLA के स्तर से कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। BLA द्वारा दावा / आपत्ति के साथ घोषणा पत्र भी दिया जाना है, उन्हें अपने स्तर से निदेशित करें। इस क्रम में CPI (M.L.) के प्रतिनिधि श्री ललन कुमार के द्वारा बताया गया कि 132-

वारिसनगर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्र संख्या-171 में 50 से अधिक लोगो का नाम प्रारूप मतदाता सूची में नही होने की सूचना प्राप्त हुई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने इस पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में श्री विनोद कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, समस्तीपुर, श्री मुकेश कुमार सिंह, जिला प्रवक्ता, BJP, श्री भिखाड़ी लाल प्रसाद सिंह, जिला प्रवक्ता, RID, श्री धर्मदेव सिंह कुशवाहा, उपाध्यक्ष, JDU, श्री उपेन्द्र नाथ तिवारी, जिला महासचिव, INC, श्री विनय कुमार चौधरी, अध्यक्ष, RLIP, श्री हिरा सिंह, अध्यक्ष, LIP(R), श्री अभय कुमार सुमन, अध्यक्ष, BSP एवं श्री ललन कुमार, जिला स्थाई समिति के सदस्य, भकपा माले उपस्थित हुए।

यूथ फेडरेशन ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के बीच छाता वितरण किया!

अमरदीप नारायण प्रसाद
समस्तीपुर मे बिहार यूथ फेडरेशन (रक्तदान समूह) के तत्वावधान में शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यरत ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के बीच छाता, बैग और पानी का बोतल वितरण कर सम्मानित किया। इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष मोहम्मद तमन्ना खान ने कहा कि ये ट्रैफिक पुलिस बरसात के दिनों में पानी और गर्मी के दिनों में धूप की तपिश को झेलते हुए शहर के लोगों को जाम से निजात दिलाने का प्रयास करते हैं जो कि काफी सराहनीय है। बिहार यूथ फेडरेशन इनके जज्बे का सम्मान करते हुए हर वर्ष इन लोगों के हौसले के बढ़ाते हुए सम्मानित करने का काम करते हैं ताकि यह लोग अपनी ड्यूटी का निर्वाह और भी बेहतर ढंग से करे। इस अवसर पर तमन्ना खान के अलावा मो रूबेद, मो गुफरान,राहुल गुप्ता एडवोकेट, शादाब दीवान, अरशद अली, मो शब्बीर आदि मौजूद थे!

रेलवे जंक्शन परिसर में रेल उपभोक्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन सभा

खगरिया रेलवे जंक्शन को टर्मिनल का दर्जा दिया जाय – किरण देव यादव

खगड़िया/रेलवे जंक्शन परिसर में आयोजित धरना प्रदर्शन सभा को संबोधित करते हुए पंच सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष किरण देव यादव ने खगरिया रेलवे जंक्शन को टर्मिनल का दर्जा देने, खगड़िया में रेलवे मंडल - डीआरएम कार्यालय खोलने, अमृत रेलवे जंक्शन भवन जल्द निर्माण करने, अलौली से सुबह शाम दोपहर अप डाउन ट्रेन चलाने, अलौली से पटना भागलपुर कटिहार जमालपुर समस्तीपुर सहरसा एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन चलाने, खगरिया के दोनों प्लेटफार्म पर लिफ्ट निर्माण करने स्लोपिंग सीढ़ी का निर्माण करने, जब प्रकाश नगर की ओर ओवर ब्रिज का लैंडिंग करने, प्लेटफार्म शेड तथा शौचालय का निर्माण करने की मांग रेल मंत्री एवं डीआरएम सोनपुर समस्तीपुर से किया। देश बचाओ अभियान के राष्ट्रीय महासचिव उमेश ठाकुर ने कहा कि वृद्धा विधवा विकलांग पेंशन 6000 मासिक किया जाए। देश बचाओ अभियान के राष्ट्रीय संयोजक मधुबाला, राष्ट्रीय प्रवक्ता गुड्डू ठाकुर , अब्दुल गनी उद्यमी पोद्दार मदन सदा सरवन ठाकुर गायत्री देवी देशबंधु आजाद ने कहा कि जनहित में रेल का विकास किया जाए तथा राजेंद्र चौक से लेकर पश्चिमी केबिन डाला तक सड़क निर्माण किया जाए, जिले के जल निकासी का

व्यवस्था किया जाए। रेल उपभोक्ता संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित धरना प्रदर्शन सभा की अध्यक्षता सुभाष जोशी ने करते हुए कहा कि सभी सामाजिक जन सरोकारों से जुड़े सवाल को लेकर मांग पूरी होने तक अनवरत संघर्ष जारी रहेगा।

उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया

अमरदीप नारायण प्रसाद
सरायरंजन। जवाहर ज्योति बाल विकास केन्द्र के द्वारा पंचायत के सतत विकास की दिशा में ले जाने के लिए तथा बाल हितैषी पंचायत बनानें के लिए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया। अध्यक्षता गौरीशंकर चौरसिया और संचालन रविन्द्र पासवान ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में सुनिल कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, सरायरंजन, रामचंद्र राय, प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी, अमन कुमार, पंचायत सचिव, गीता देवी, मुखिया, वीणा कुमारी, प्रमुख उपस्थित हुए। उपस्थित वार्ड सदस्य सोनेलाल चौरसिया, माधव कुमार झा, जितेन्द्र पासवान, श्याम पासवान, कृष्णा देवी, उमेश राम, इंदु देवी, बेचनी देवी नें भी अपनें विचार साझा

किए। प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा प्रखंड प्रमुख नें संयुक्त रूप से कहा कि आनें वाले समय में सरायरंजन प्रखंड के सभी वार्डों और ग्राम पंचायतों में बाल कल्याण और संरक्षण समिति का गठन और सदस्यों का क्षमता निर्माण किया जाएगा। स्थानीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अख्तियारपुर के सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास निगम, समस्तीपुर तथा वन स्टाप सेंटर के द्वारा सखी वार्ता का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ. सीमा कुमारी ने किया तथा संचालन कोषाध्यक्ष वीणा कुमारी ने किया। मौके पर बाल अधिकार कार्यकर्ता बलराम चौरसिया, ललिता कुमारी, दिनेश प्रसाद चौरसिया, किरण कुमारी, राखी कुमारी, नवनीत कुमार, एक्सेस टू जस्टिस कार्यक्रम की स्मृति कुमारी, वन स्टाप सेंटर के कुणाल, सूरज कुमार, विद्यालय के वरीय शिक्षक विनय कुमार ठाकुर तथा अन्य शिक्षक रीतेश कुमार, बेबी सुरुची, संजीव कुमार ने अपनें महत्वपूर्ण विचार साझा किए।
मौके पर जवाहर ज्योति बाल विकास केन्द्र द्वारा संचालित डिजिटल लिटेरेसी सेंटर के बच्चों को उनके छः माह के पाठ्यक्रम को पुरा करनें को लेकर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ध्यानाकर्षण दिवस मनाते हुए धरना प्रदर्शन व गेट मीटिंग का आयोजन किया गया है!

अमरदीप नारायण प्रसाद
यांत्रिक कारखाना समस्तीपुर के गेट पर महासचिव एउफएव संगठन पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के आह्वान पर कारखाना स्टोर्स शॉट समय 14.00 बजे से समस्तीपुर के अध्यक्ष फुलेन्द्र पासवान के अध्यक्षता मे ध्यानाकर्षण दिवस मनाते हुए धरना प्रदर्शन व गेट मीटिंग का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य आठवे वेतन आयोग कि घोषणा होने के वावजूद भी कर्मचारियो को मिलने वाले PLB बोनस जो वर्तमान मे छठे वेतन आयोग के अनुसार न्यूनतम वेतन 7000 हजार कि शीलिंग पे 17951 रुपया दिया जा रहा है उसे बढ़ाकर सातवे वेतन आयोग के

अनुसार न्यूनतम वेतन 18000 हजार कि शीलिंग पे 46159 रुपया दिया जाय । NPS, UPS को हटाकर OPS लागु किया जाय, रेलवे मे निजीकरण निगमीकरण बंद किया जाय एवं कर्मचारियों के विभिन्न मुद्दो को लेकर शांतिपूर्ण तरिके से गेट मीटिंग एवं धरना प्रदर्शन करते हुए भारत सरकार व रेल मंत्रालय तक संदेश पहुँचाने का कार्य ECREU संगठन के द्वारा किया जा रहा है । जिसमे कारखाना व स्टोर डिपो के सैकड़ो रेल कर्मचारियों के साथ एउफएव संगठन कारखाना स्टोर्स शाखा के यूनियन पदाधिकारी शाखा सचिव चंद्र प्रकाश जी, अध्यक्ष फुलेन्द्र पासवान जी, कार्यकारणी अध्यक्ष अरविन्द जी,उपाध्यक्ष मनीष कुमार जी ,कोषाध्यक्ष नवनीत जी, संयुक्त सचिव लक्ष्मण जी व संतोष कुमार निराला जी सहायक सचिव मुख्तर आलम जी,संगठन सचिव विपिन जी कार्यकारणी सदस्य जीतेन्द्र जी मोहन जी विजन जी रेल विकास मंच के संयोजक श्री शत्रुघ्न राय पंजी जी अन्य सैकड़ो कर्मचारीयों ध्यानाकर्षण दिवस मे शामिल हुए।

माई बहिन मान योजना को लेकर शाहीन ने चलाया महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान

अमरदीप नारायण प्रसाद
समस्तीपुर। राष्ट्रीय जनता दल द्वारा महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई "माई-बहिन मान योजना" का समस्तीपुर प्रखंड के बेला पंचायत के अंतर्गत जगदीशपुर सहित विभिन्न गांवों में प्रचार-प्रसार एवं पंजीकरण का काम किया गया। इस अभियान के तहत महिला समूहों, छात्राओं और ग्रामीण बहनों से मुलाकात कर उन्हें योजना की विस्तार से जानकारी दी गयी और ऑन-द-स्पॉट फॉर्म भरवाकर पंजीकरण शुरू किया गया। इस दौरान स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने बताया कि ये हमारे

नेता तेजस्वी यादव की सोच का हिस्सा है, जिसमें महिलाओं को सम्मानजनक स्थान, आर्थिक सहायता, स्वरोजगार, स्वास्थ्य सुरक्षा और पंचायत-स्तर पर प्रतिनिधित्व जैसे बिंदुओं को सुनिश्चित करने का वादा किया गया है। यह योजना आने वाली सरकार में लागू की जाएगी और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। विधायक ने आगे कहा कि ह्हमारी बहनों को सिर्फ वोट बैंक नहीं, समाज की रीढ़ माना जाना चाहिए। ये योजना सिर्फ लाभ नहीं, सम्मान देने का आंदोलन है।
जब तक हर पंचायत की हर महिला योजना से न जुड़ जाए, तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे।ह्व कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने योजना में गहरी रुचि दिखाई और आभार जताया ' मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला राजद महासचिव राकेश यादव, जिला राजद महासचिव राकेश कुशवाहा, राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, राजद नेता कमलेश्वर साह, अंकित वर्धन, किशोरी राम, विमल पासवान, चंदन पासवान, अर्जुन पासवान, मुकेश राम आदि मौजूद थे '

मुंगेर विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव 2025: बारिश-बाढ़ के साये में देर शाम सील हुई मतपेटियां

कुलपति प्रो. संजय कुमार और कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय की मौजूदगी में दूसरे दिन का मतदान कार्य सम्पन्न, प्रत्याशी देर तक टकटकी लगाए रहे

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर के कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार की मौजूदगी में बुधवार को सीनेट चुनाव 2025 के दूसरे दिन शिक्षक प्रतिनिधियों के चयन हेतु 13 मतदान केंद्रों से आई मतपेटियों को देर शाम तक सील किया गया।
चुनावी प्रक्रिया का यह चरण प्रशासन के लिए किसी लॉजिस्टिक मिशन से कम नहीं था–
कई मतदान केंद्रों से मतपेटियां भारी बारिश और बाढ़ के पानी को पार करते हुए पहुंचीं।
यातायात जाम ने भी विलंब बढ़ाया, लेकिन सुरक्षाबल और चुनावकर्मियों ने सभी मतपेटियां सुरक्षित पहुंचाई।
प्रक्रिया में पारदर्शिता, प्रत्याशियों की मौजूदगी

मतपेटियों की सीलिंग के दौरान कुलसचिव सह निवार्ची पदाधिकारी डॉ. घनश्याम राय, छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. देवराज सुमन और सभी प्रत्याशी स्वयं मौजूद थे। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीलिंग प्रक्रिया सार्वजनिक और औपचारिक तरीके से पूरी की गई।
परिस्थितियों के बीच संकल्प
कुलपति प्रो. संजय कुमार ने कहा—
प्राकृतिक बाधाएं हमारी लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को रोक नहीं सकतीं। हर मत सुरक्षित और सम्मानित है।

फलेरिया के जांच हेतु नाइट बल्ड सर्वे की जानकारी विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को जानकारी दी!

अमरदीप नारायण प्रसाद
कल्याणपुर। प्रखंड क्षेत्र के धुवगामा पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में फलेरिया के जांच हेतु नाइट बल्ड सर्वे की जानकारी विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच पीरामल फाउंडेशन के संजय कुमार शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि फलेरिया कुलेक्स मच्छर के काटने से होता है। जिसका लक्षण दिखने में 5 से 10 साल लग जाते हैं।तब तक लोग खुद को स्वास्थ्य समझते हैं लेकिन माइक्रो फलेरिया शरीर में छिपा रहता है। फलेरिया की जांच रात में होती है। इसकी जांच हेतु प्रखंड के दो गांव रैंडम साइट लडौरा और सेंटिनल साइट के रुप में धुवगमा चयन किया गया है। धुवगामा में 20, 21 और 22 तथा लदौरा में 23 25 और 27 अगस्त को जांच होनी है। उन्होनें सभी बच्चों से आग्रह किया कि अपने-अपने गार्जियन वी माता-पिता को इसकी जानकारी दें एवं उक्त दिवस के दिन अधिक से अधिक लोग आकर अपना जांच करवाए। उन्होंने शिक्षक गण से भी अनुरोध किया इस काम में बच्चों की मदद करें मौके पर प्रधानाध्यापक हेमंत कुमार विकास कुमार ज्योति कुमारी अनिता कुमारी पूनम देवी सरिता कुमारी आदि मौजूद थे!

लुधियाना दक्षिण आप विधायक कार दुर्घटना में घायल

लुधियाना,सुधीर कुमार श्रीवास्तव की रिपोर्ट
पंजाब आम आदमी पार्टी के लुधियाना की सक्रिय और जुझारू नेता व लुधियाना दक्षिण विधायक राजिन्दर पाल कौर छिन्ना एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई। विधायक श्रीमती राजिन्दर पाल कौर छिन्ना जो अमेरिका गयी थी और वहां एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं सम्बोधित किया अमेरिका से भारत(दिल्ली) वापसी में उनके पति और बेटा उन्हें लेने गए थे जानकारी के अनुसार वापस लौटते समय खतौली बार्डर के पास उनकी इनोवा डिवाइडर से टकरा गई जिससे विधायक गंभीर रूप से घायल हो गई। सूत्र के अनुसार दुर्घटना के बाद कैथल हास्पिटल ले जाया गया जहां बाद में उन्हें लुधियाना स्थित अस्पताल में रेफर कर दिया गया है विधायक की हालत गंभीर है । विधायक राजिन्दरपाल कौर छिन्ना एक कांफ्रेंस में हिस्सा लेने अमेरिका गई थी भारत वापस आने पर विधायक के पति और पुत्र उन्हें लेने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट गये थे और वापसी में दुर्घटना हो गई। वापसी के समय इनोवा कार में विधायक के साथ उनके पति, बेटा, गनमैन, ड्राइवर थे और अचानक कार अनियंत्रित हो गई और कार डिवाइडर से टकरा गई जिससे विधायक के चेहरे पर गंभीर चोटें लगी है। विधायक के गनर को भी चोटें लगी है।

मुंगेर विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव 2025: डॉ. घनश्याम राय ने कोसी व केएमडी कॉलेज का दौरा, भूख हड़ताल और छात्र आंदोलन ने बढ़ाया चुनावी उत्साह

स्नातकोत्तर पढ़ाई की मांग पर अड़े छात्र, कुलसचिव ने आश्वासन दिया, मतदान में दिखा रिकॉर्ड सहभागिता

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं निवार्ची पदाधिकारी डॉ. घनश्याम राय ने बुधवार को सीनेट चुनाव 2025 के दूसरे दिन कोसी कॉलेज, खगड़िया और केएमडी कॉलेज, परबत्ता का दौरा किया। दौरे का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया का जायजा लेना और छात्रों की मांगों की स्थिति को सीधे अवलोकित करना था।

कोसी कॉलेज में छात्र आंदोलन और मांगों का संवाद

कोसी कॉलेज में डॉ. राय का सामना भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों से हुआ। छात्र अन्य विषयों में स्नातकोत्तर पढ़ाई शुरू करने की मांग को लेकर आंदोलनरत थे। कुलसचिव ने छात्रों को आश्वासन दिया कि कुलपति महोदय गुरुवार को चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्यालय बुलाकर उनकी मांगों पर वार्ता करेंगे। हालांकि छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे और कुलसचिव को एक ज्ञापन सौंपा। डॉ. राय ने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी कार्रवाई की जाएगी और कुलपति को अद्यतन स्थिति से अवगत कराया जाएगा।

केएमडी कॉलेज की जर्जर स्थिति और सुधार की पहल

कोसी कॉलेज का दौरा करने के बाद डॉ. घनश्याम राय केएमडी कॉलेज, परबत्ता पहुंचे। कॉलेज की हालत जर्जर थी, जबकि 19 विषयों की पढ़ाई की स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिलकर भवन निर्माण और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के कार्य को तुरंत पूरा कराने का संकेत दिया।

मतदान में रिकॉर्ड सहभागिता

चुनावी प्रक्रिया में छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने माहौल को और जीवंत बना दिया।

अंगीभूत महाविद्यालयः कुल मतदाता 227, मतदान 217 = 95.59%

संबद्ध महाविद्यालयः कुल मतदाता 289, मतदान 259 = 89.61%

उच्च मतदान प्रतिशत ने साफ कर दिया कि छात्रों में लोकतंत्र और विश्वविद्यालय प्रशासन में विश्वास और उत्साह दोनों है।

मांग और प्रशासनिक संतुलन

डॉ. घनश्याम राय ने कहा कि यह दौरा दशार्ता है कि विश्वविद्यालय केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों की मांगों, शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासनिक सुधार पर भी पूरी तरह गंभीर है।

कोसी और केएमडी कॉलेज का दौरा छात्र आंदोलन, ज्ञापन और प्रशासनिक प्रतिक्रिया का एक जीवंत परिदृश्य प्रस्तुत करता है, जो इस सीनेट चुनाव को सामान्य चुनाव से अलग बनाता है।

आधा फूल पहल में अररिया की पूजा कुमारी और नुपूर चक्रवर्ती को उत्कृष्ट शिक्षिका सम्मान

किशोर छात्रों में आत्म-सम्मान और जीवन कौशल विकसित करने वाली राज्यस्तरीय मुहिम में अररिया का जलवा, अब 9वीं से 12वीं तक पहुंचेगी पहल

पटना/अररिया। किशोरावस्था के बच्चों के मन में आने वाले भटकाव को रोकना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्हें तैयार करना – इन्हीं उद्देश्यों के साथ चल रही अनोखी पहल "आधा फूल" में अररिया जिले ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस पहल में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिले की दो शिक्षिकाओं – ऊ.म.वि. जितवारपुर की पूजा कुमारी और ऊ.म.वि. चण्डीपुर की नुपूर चक्रवर्ती – को उत्कृष्ट शिक्षिका सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान पटना के होटल चाणक्य में आयोजित दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में अररिया जिले से चार शिक्षक-शिक्षिकाओं – राकेश कुमार, पूजा कुमारी, सुजीत कुमार और नुपूर चक्रवर्ती – ने हिस्सा लिया और मास्टर ट्रेनर के रूप में चयनित हुए।

कार्यक्रम का उद्देश्य और खासियत

"आधा फूल" पहल किशोर छात्रों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए शुरू की गई है। पहले यह 6वीं से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के बीच चलती थी, लेकिन अब इसे 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों में भी लागू किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की एक बड़ी खासियत है कि इसके तहत कॉमिक बुक के माध्यम से संदेश दिए जाते हैं। रंग-बिरंगे चित्रों और रोचक कहानियों से जुड़ी यह किताब किशोर छात्रों को आसानी से जोड़ती है, उन्हें भटकाव से रोकने के साथ-साथ सकारात्मक सोच और आत्म-सम्मान विकसित करने में मदद करती है।

प्रशिक्षण में क्या सिखाया गया

मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने किशोरावस्था में आने वाले मनोवैज्ञानिक बदलाव, भावनात्मक प्रबंधन, आत्म-सम्मान बढ़ाने की तकनीकें और जीवन कौशल विकसित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। मास्टर ट्रेनर विप्लव कुमार ने बताया कि "एडोलसेंट एज में सही मार्गदर्शन और सकारात्मक माहौल बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाता है।"

आगे की योजना

अब जिला स्तर पर योजना है कि जिले के सभी मध्य एवं उच्च विद्यालयों से एक-एक शिक्षक/शिक्षिका को प्रशिक्षित किया जाए। यह प्रशिक्षण अलग-अलग चरणों में आयोजित होगा, ताकि इस पहल का लाभ अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंच सके।

शिक्षा विभाग का मानना है कि इस प्रयास से न केवल विद्यार्थियों की पढ़ाई में सुधार होगा, बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी।

राज्यस्तरीय मंच पर जब पूजा कुमारी और नुपूर चक्रवर्ती के नाम की घोषणा हुई, तो यह केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं थी, बल्कि पूरे अररिया जिले की पहचान और गौरव का क्षण बन गया। "आधा फूल" की खुशबू अब जिले से निकलकर पूरे बिहार में फैलने को तैयार है।

सिकटी प्रखंड में विकासशील इंसान पार्टी की कार्यकर्ता बैठक: हरिनारायण प्रामाणिक सर्वसम्मति से प्रत्याशी घोषित

प्रदेश महासचिव लालबाबू सहनी ने कार्यकताओं को बूथ स्तर तक मजबूत संगठन और महिला जागरूकता की दी रणनीतिक दिशा

सिकटी (अररिया)। विकासशील इंसान पार्टी की सिकटी प्रखंड कार्यकर्ता बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव लालबाबू सहनी उपस्थित थे। संगठन की मजबूती और सदस्य सहभागिता को बढ़ाने के उद्देश्य से सभी 14 पंचायत अध्यक्ष और प्रखंड पदाधिकारी सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र भी प्राप्त किए। बैठक के दौरान पार्टी के सभी सदस्यों ने एकबार फिर हरिनारायण प्रामाणिक को सर्वसम्मति से सिकटी विधानसभा का प्रत्याशी घोषित किया।

श्री लालबाबू सहनी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा—

"आपलोग बूथ स्तर तक मजबूत संगठन तैयार करें। महिला आधी आबादी को महागठबंधन की नीतियों से अवगत कराएं। निषाद आरक्षण, सामाजिक न्याय और मतदाता सूची में किसी भी मतदाता का नाम कटने न दें। यही हमारी ताकत और सफलता का मूल मंत्र है।"

उन्होंने कार्यकताओं को स्थानीय समस्याओं से जुड़कर जनता के बीच जाकर उन्हें जागरूक करने और संगठन को हर गांव-गली तक मजबूत करने का निर्देश दिया।

हरिनारायण प्रामाणिक का संबोधन

सिकटी विधानसभा के भावी प्रत्याशी हरिनारायण प्रामाणिक ने अपने संबोधन में कहा—

"हम गाँव-गाँव, गली-गली जाकर लोगों की समस्याओं को समझ रहे हैं। भ्रष्टाचार, शिक्षा व्यवस्था, चिकित्सा कटाव और पलायन जैसी समस्याओं पर ठोस उपाय की आवश्यकता है। महागठबंधन की सरकार बनने पर निश्चित रूप से बदलाव आएगा।"

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं और पदाधिकारियों की भी उपस्थिति रही। इसमें रणधीर कुमार निषाद, प्रोफेसर मंतलाल मंडल, दिलीप मुखिया (जिलाउपाध्यक्ष), ओमप्रकाश चौधरी, प्रकाश मंडल, अनीस राज, शुक्रानंद मंडल, रामबोध मंडल, सत्यनारायण मंडल, उपेंद्र यादव, आदित्य यादव, बीरेंद्र यादव (बेंगा), दिलीप चौधरी सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए जागरूकता बढ़ाना और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करना था। इस बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि विकासशील इंसान पार्टी सिकटी में एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती के साथ चुनावी लड़ाई में उतर रही है।

बाढ़ आपदा पर सरकार अलर्ट मोड में: मुख्यमंत्री नितीश, उपमुख्यमंत्री सम्राट और मंत्री विजय कुमार मंडल ने की हाईटेक समीक्षा बैठक

जिलों को नदी-तटबंध से लेकर बाढ़ग्रस्त गांवों तक 24x7 पैनी नजर रखने का निर्देश, राहत और बचाव के लिए तुरंत एक्शन प्लान लागू

पटना। बिहार में बाढ़ आपदा की चुनौती को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री नितीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल की मौजूदगी में कैबिनेट की अहम समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राज्य सरकार ने साफ संदेश दिया–जान और संपत्ति की सुरक्षा में कोई समझौता नहीं, हर हाल में तुरंत कार्रवाई हो। बैठक के बाद आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल ने बताया कि सरकार बाढ़ के हालात में हर संभव मदद के लिए तैयार है। इस संबंध में जिला पदाधिकारियों और सभी संबंधित विभागों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

जमीनी और तकनीकी मोर्चे पर कड़ा पहरा

नदी, तटबंध, जलजमाव और बाढ़ प्रभावित इलाकों पर रियल-टाइम निगरानी

संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन सर्विलांस और मोबाइल टीमों की तैनाती

राहत शिविरों, नाव और रेस्क्यू उपकरणों को स्टैंडबाय मोड में रखना

तटबंधों की कमजोर कड़ियों की तुरंत मरम्मत

जनता को अलर्ट और मदद दोनों

बैठक में यह भी तय हुआ कि बाढ़ से जुड़ी चेतावनी और जरूरी जानकारी मोबाइल अलर्ट और स्थानीय स्तर पर माइकिंग के जरिए दी जाएगी। साथ ही, प्रभावित इलाकों में फूड पैकेट, दवा और पीने के पानी की सप्लाई पहले से स्टॉक में रखी जाएगी।

मंत्री का सख्त निर्देश

मंत्री विजय कुमार मंडल ने कहा—

अधिकारियों को निर्देश है कि एक भी बाढ़ग्रस्त गांव में मदद पहुंचने में देरी न हो। हर कदम पर सरकार की नजर और मदद दोनों मौजूद रहेंगे।

प्रधानाचार्य डॉ. माधवेंद्र झा के नेतृत्व में यूवीके कॉलेज कड़ामा से नशामुक्ति अभियान का श्रीगणेश

AICTE और यू वी के कॉलेज कड़ामा, आलमनगर के संयुक्त तत्वावधान में चला जागरूकता शिविर, छात्रों ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

आलमनगर/मधेपुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत, समृद्ध भारत और नशामुक्त भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में बुधवार को यूवीके कॉलेज कड़ामा, आलमनगर में नशामुक्ति अभियान का औपचारिक श्रीगणेश हुआ। यह कार्यक्रम अक्ळळए (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद), भारत सरकार एवं युवक कॉलेज कड़ामा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

डॉ. माधवेंद्र झा की अध्यक्षता में संकल्प का माहौल

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. माधवेंद्र झा की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष जागरूकता शिविर में कॉलेज के अधिकारी, शिक्षक, टीम लीडर छात्र-छात्राएं और सैकड़ों युवा शामिल हुए।

प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा – नशे से मुक्त भारत केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे हम सबको मिलकर निभाना है।

उन्होंने सभी टीम लीडरों और छात्रों से आग्रह किया कि वे गांवों, कस्बों और स्थानीय शहरों में घर-घर जाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताएं और उन्हें इस बुराई से दूर रहने का संकल्प दिलाएं।

राष्ट्रीय अभियान में कॉलेज की अहम भूमिका

AICTE को इस राष्ट्रीय नशामुक्ति अभियान का नेतृत्व करने का दायित्व मिला है, जबकि भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाला यू वी के कॉलेज कड़ामा को जिले में इस अभियान को प्रमुखता से चलाने का आदेश दिया गया है।

कार्यक्रम का डिजिटल संचालन और संगठन

कार्यक्रम का संचालन डिजिटल मोड में सीईओ डॉ. सिप्पू कुमार और डॉ. मुदस्सर सिद्दकी ने किया।

अभियान की रूपरेखा प्रेमनाथ आचार्य (कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला नोडल पदाधिकारी) ने प्रस्तुत की। आयोजन और संचालन में डॉ. चंद्रशेखर मिश्रा, अमरेंद्र कुमार झा और अभिनव कुमार उर्फ सन्नी की अहम भूमिका रही।

दो चरणों में अभियान की रणनीति

इस मौके पर उपस्थित सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

1. प्रथम चरणः पूरे क्षेत्र में जागरूकता अभियान – घर-घर, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर नशा विरोधी संदेश।

2. द्वितीय चरणः नशे के आदी युवाओं को नशामुक्ति केंद्र ले जाकर उनका पुनर्वास और उपचार।

मुख्य वक्ता और धन्यवाद ज्ञापन

कार्यक्रम को प्रेमनाथ आचार्य, डॉ. चंद्रशेखर मिश्रा, अमरेंद्र कुमार झा, किशोर कुमार झा, वीरेंद्र कुमार मिश्रा और विरन कुमारी ने संबोधित किया।

समापन पर प्रधानाचार्य डॉ. माधवेंद्र झा ने AICTE के प्रमुख को धन्यवाद देते हुए कहा —

यह अभियान न केवल युवाओं को नशे से दूर करेगा, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और प्रगतिशील समाज की नींव रखेगा।

हमारे संघर्षों, त्याग और बलिदान का साक्षी है तिरंगा वीसी डा. अशोक

डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में मधेपुरा कॉलेज से तिरंगा यात्राः देशभक्ति और एकता का अनोखा नजारा

डॉ. अशोक कुमार, डॉ. पूनम यादव, मेजर डॉक्टर गौतम कुमार और डॉ. हर्ष वर्धन सिंह राठौर के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने लिया तिरंगा के सम्मान और राष्ट्रीय संकल्प का संकल्प

मधेपुरा। 17 बिहार बटालियन एनसीसी और मधेपुरा कॉलेज, मधेपुरा के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को कॉलेज परिसर स्थित बिंदेश्वरी सभागार से भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय परिसर तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा को रवाना करने का नेतृत्व श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मधेपुरा कॉलेज के संस्थापक प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार, मधेपुरा कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. पूनम यादव, एनसीसी पदाधिकारी मेजर डॉक्टर गौतम कुमार और विमेंस कॉलेज कौशल्याग्राम के सहायक प्राध्यापक डॉ. हर्ष वर्धन सिंह राठौर ने संयुक्त रूप से किया। यात्रा में एनसीसी कैडेट्स और छात्रों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। इस अवसर पर कैडेट्स भवेश, अंशु, सुनैना, मौसम, सपना, शिवम, राहुल, संजय, अंकेश, अन्नू, शिवम, सिम्पल, अमित रहमत, अमरजीत, आशु, इरविन, मनु सहित दर्जनों अन्य छात्र-छात्राएं शामिल थे।

हमारे संघर्ष, त्याग और बलिदान का साक्षी है तिरंगा यात्रा

प्रधानाचार्य डॉ. पूनम यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा समाज के लोगों को तिरंगे के महत्व और स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजाद भारत के सफर से अवगत कराती है। उन्होंने हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा जैसे अभियान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लाने और गर्व के साथ फहराने के लिए प्रेरित करना है।

जन आंदोलन और उत्साहपूर्ण माहौल

एनसीसी पदाधिकारी मेजर डॉक्टर गौतम कुमार ने बताया कि यह अभियान अब जन आंदोलन बन चुका है। यात्रा पश्चिमी बायपास, कॉलेज चौक होते हुए विश्वविद्यालय परिसर तक पहुँची। छात्र-छात्राओं के हाथों में लहराते तिरंगे, वंदे मातरम, भारत माता की जय, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे नारों से माहौल गगनभेदी और उत्साहपूर्ण बन गया।

मेजर गौतम कुमार ने कहा कि यह दशार्ता है कि 140 करोड़ देशवासी स्वतंत्र भारत को विकसित और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए संकल्पित हैं, जिसका सपना असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने त्याग, तप और समर्पण से देखा था।

छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी

यात्रा में भवेश, अंशु, सुनैना, मौसम, सपना, शिवम, राहुल, संजय, अंकेश, अन्नू, शिवम, सिम्पल, अमित रहमत, अमरजीत, आशु, इरविन, मनु सहित दर्जनों एनसीसी कैडेट्स और आम छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं की सर्वाधिक भागीदारी ने इस तिरंगा यात्रा को और भी खास बना दिया।

समापन और राष्ट्रीय संदेश

तिरंगा यात्रा ने देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय सम्मान की भावना को छात्रों और नागरिकों में मजबूत किया। डॉ. अशोक कुमार और डॉ. पूनम यादव ने कहा कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव और स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को जीवित रखने का अभियान है।

हरी पट्टीः भूमि की पवित्रता और उर्वरता दशार्ती है

अशोक चक्रः जीवन की निरंतर गति और 24 गुणों का प्रतीक

राष्ट्रीयता और समाजिक जागरूकता का संदेश

प्रधानाचार्य डॉ. पूनम यादव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा समाज के लोगों को तिरंगे के महत्व और स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजाद भारत के सफर से अवगत कराती है। उन्होंने हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा जैसे अभियान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज लाने और गर्व के साथ फहराने के लिए प्रेरित करना है।

जन आंदोलन और उत्साहपूर्ण माहौल

एनसीसी पदाधिकारी मेजर डॉक्टर गौतम कुमार ने बताया कि यह अभियान अब जन आंदोलन बन चुका है। यात्रा पश्चिमी बायपास, कॉलेज चौक होते हुए विश्वविद्यालय परिसर तक पहुँची। छात्र-छात्राओं के हाथों में लहराते तिरंगे, वंदे मातरम, भारत माता की जय, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे नारों से माहौल गगनभेदी और

समापन और राष्ट्रीय संदेश

तिरंगा यात्रा ने देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय सम्मान की भावना को छात्रों और नागरिकों में मजबूत किया। डॉ. अशोक कुमार और डॉ. पूनम यादव ने कहा कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के गौरव और स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को जीवित रखने का अभियान है।

डॉ. अशोक कुमार आलोक के नेतृत्व में वाई एन पी डिग्री महाविद्यालय रानीगंज में भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित

उप प्रधानाचार्य डॉ. नूतन आलोक और संकाय सदस्य प्रो. योगेंद्र प्रसाद यादव, प्रो. सुभाष सिंह, प्रो. सुरेश प्र यादव सहित अन्य कर्मियों ने भी लिया हिस्सा

रानीगंज । वाई एन पी डिग्री महाविद्यालय रानीगंज में बुधवार को प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार आलोक के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को जागृत करना और राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को छात्रों तथा कर्मियों के बीच उजागर करना था।

तिरंगा यात्रा में महाविद्यालय के सभी कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य डॉ. नूतन आलोक, प्रो. योगेंद्र प्रसाद यादव, प्रो. सुभाष सिंह, प्रो. सुरेश प्र यादव, प्रो. बुद्धिनाथ सिंह, प्रो. श्रीमती इंदु देवी, प्रो. भूषण कुमार यादव, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. पिंकी प्रेमा, प्रधान सहायक रीतेश राज, नितीन कुमार यादव सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

देशभक्ति का संदेश

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अशोक कुमार आलोक ने कहा कि तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान है। यह हमारे संघर्ष, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। इस यात्रा के माध्यम से सभी विद्यार्थियों और कर्मियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और महत्व को समझाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का समापन

तिरंगा यात्रा महाविद्यालय परिसर में सजगता और उत्साह के साथ समाप्त हुई। सभी उपस्थित कर्मियों ने झंडे को गर्व के साथ लहराया और देशभक्ति के भाव को प्रकट किया। इस कार्यक्रम ने महाविद्यालय में एकजुटता और राष्ट्रीय सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

अडानी भगाओ – छत्तीसगढ़ बचाओ" के नारे के साथ संयुक्त किसान मोर्चा ने पूरे प्रदेश में मनाया कॉर्पोरेट विरोधी दिवस

रायपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर आज छत्तीसगढ़ में भी मोर्चा के घटक संगठनों ने पूरे प्रदेश में कॉर्पोरेट विरोधी दिवस मनाया, धरना-प्रदर्शन आयोजित किए तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे गए। इस आंदोलन के जरिए संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत छोड़ो आंदोलन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया तथा देश के संसाधनों को चंद कारपोरेट घरानों के सुपुर्द करने का कड़ा विरोध किया। आंदोलनकारियों ने भारत के कृषि क्षेत्र को विदेशी आयात के लिए खोलने, बिहार में एसआईआर के नाम पर पिछले दरवाजे से एनआरसी को लागू करने का भी विरोध किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ को अदानी कंपनी की लूट का चारागाह बना दिया गया है। पेसा और वनाधिकार अधिनियम और सभी संवैधानिक प्रावधानों का खुला उल्लंघन करते हुए यहां जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण का विनाश किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने केंद्र और राज्य की कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए अडानी और अन्य कॉर्पोरेट

कंपनियों को छत्तीसगढ़ से भगाने की जरूरत पर भी जोर दिया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान के पालन के क्रम में आज भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने गरियाबंद, दुर्ग, जगदलपुर, बीजापुर और नारायणपुर जिले में, अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान संगठन और आदिवासी भारत महासभा द्वारा मैनपुर, छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा दल्ली राजहरा और बालोद में, जिला किसान संघ द्वारा राजनांदगांव में, छत्तीसगढ़ किसान महासभा द्वारा रायपुर में, हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति द्वारा हसदेव में, छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ द्वारा कुसमुंडा (कोरबा) और लुण्ड्रा (सरगुजा) में धरना और प्रदर्शन किया गया। विभिन्न जगहों पर हुए इन आंदोलनों का नेतृत्व तेजराम विद्रोही, प्रवीण श्योकंद, नरोत्तम शर्मा, सौरा यादव, भीमसेन मरकाम, युवराज नेताम, जनकलाल ठाकुर, रमाकांत बंजारे, सुदेश टीकम, आलोक शुक्ला, प्रशांत झा, जवाहर कंवर, दीपक साहू, सोमेंद्र सिंह, दामोदर श्याम और ऋषि गुप्ता आदि किसान नेताओं ने किया। सभी जगहों पर प्रशासन के अधिकारियों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में अमेरिका के साथ कृषि समझौते का और भारत पर थोपे गए 50 प्रतिशत टैरिफ का विरोध किया गया है, राष्ट्रीय सहकारी नीति को किसानों के लिए नुकसानदेह बताया गया है, लाभकारी समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी और किसानों पर चढ़े सभी ऋणों को माफ करने और सभी वृद्ध किसानों को 10000 रुपए पेंशन देने की मांग की गई है। स्मार्ट मीटर सहित बिजली क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया गया है। इसके साथ ही कॉरपोरेट खनन रोकने और आदिवासियों के विस्थापन पर रोक लगाने की भी मांग की गई है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा है .

कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार को अपनी कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों के विरोध में आम जनता और किसान समुदाय का तीखा विरोध झेलना पड़ेगा। भाजपा की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे प्रदेश में किसानों और आदिवासियों को लामबंद करने की योजना बनाई जा रही है। संजय पराते (मो : 94242-31650) द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से जारी

सिकटी के दिग्गज आरजेडी नेता डा. शत्रुघ्न मंडल की तेजस्वी यादव से भेंट, वोट बचाओ अधिकार यात्रा में दमदार समर्थन का भरोसा

पूर्व राजद प्रत्याशी डा. शत्रुघ्न मंडल ने कहा—राजद और महागठबंधन के साथ जनता के न्यायप्रिय संकल्प को मिलेगा नई ताकत

पटना। बुधवार को सिकटी के पूर्व राजद प्रत्याशी डा. शत्रुघ्न मंडल ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष और भावी मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से उनके पटना स्थित आवास पर भेंट की। मुलाकात में आगामी विधानसभा चुनाव और 17 अगस्त से शुरू होने वाली वोट बचाओ अधिकार यात्रा को लेकर रणनीतिक और विस्तृत बातचीत हुई। डा. शत्रुघ्न मंडल, जिनके पिता स्वर्गीय मुरलीधर मंडल पहले सिकटी से विधायक रह चुके हैं, ने तेजस्वी यादव को भरोसा दिलाया कि 24 अगस्त को पूर्णिया और अररिया में होने वाली ह्वोट बचाओ अधिकार यात्राह्व में राजद और महागठबंधन के सभी नेता, साथीगण और न्यायप्रिय आमजन अपनी ताकत और समर्थन से शामिल होंगे।

जनता के अधिकार के लिए

तेजस्वी का अभियान

मुलाकात में डा. शत्रुघ्न मंडल ने कहा—

"यह यात्रा केवल वोट का अभियान नहीं, बल्कि जनता के अधिकार और न्याय के लिए जागरूकता का संदेश है। जनता की भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होगा।"

उन्होंने जोर देकर कहा कि राजद और महागठबंधन के नेताओं का एकजुट समर्थन चुनाव में जनता को यह विश्वास दिलाएगा कि उनका हर वोट सुरक्षित है और उनकी आवाज सुनी जाएगी।

राजनीतिक माहौल और रणनीति

इस मुलाकात में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, बूथ स्तर की तैयारी और मतदान के दौरान वोटर जागरूकता बढ़ाने के मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। डा. शत्रुघ्न मंडल ने तेजस्वी यादव को भरोसा दिलाया कि उनकी टीम स्थानीय स्तर पर सक्रिय रहेगी और जनता के बीच इस अभियान को व्यापक बनाकर वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाएगी।

जबरदस्त नारा और संकल्प

मुलाकात के अंत में डा. शत्रुघ्न मंडल ने कहा—

"जय तेजस्वी! तय तेजस्वी! जय राजद! जय महागठबंधन!"

इस मौके पर दोनों नेताओं ने मिलकर जनता के अधिकार और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने का संकल्प लिया।

राजद के भावी प्रत्याशी अरुण कुमार मंडल ने मुरारीपुर महादलित बस्ती में दिखाई ताकत, जनता से लिया विकास और पारदर्शिता का संकल्प

सरकार बनने पर महादलित समुदाय समेत सभी वर्गों के लिए योजनाओं का होगा प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन, ग्रामीणों ने जताया जबरदस्त उत्साह

सिकटी (अररिया)। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुरारीपुर पंचायत की महादलित बस्ती में राजद के भावी प्रत्याशी अरुण कुमार मंडल ने अपने मजबूत जनाधार का प्रदर्शन किया। जनसंपर्क यात्रा के तहत आयोजित सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शंभु सादा ने की। सभा में राजद जिला महासचिव चंदन यादव, पूर्व वार्ड सदस्य सुनील ततमा, मो. नुरालम आलम, मो. तनवीर, ठिलो सादा, भिंडर सादा, बिनोद सादा और लखन सादा सहित ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। उनकी मौजूदगी ने राजनीतिक जोश और उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया।

विकास और पारदर्शिता का दमदार संदेश

सभा में अरुण कुमार मंडल ने कहा—

"इस बार अगर राजद की सरकार

बनती है, तो महादलित समुदाय और आम जनता के लिए चल रही योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन किया जाएगा। विकास केवल घोषणाओं में नहीं बल्कि जमीन पर दिखना चाहिए।"

उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका अधिकार है और यह उनके संकल्प का हिस्सा है।

सरकारी योजनाओं की जानकारी और जनता से संवाद

अरुण कुमार मंडल ने सभा में ग्रामीणों को आवास, पेंशन, छात्रवृत्ति, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को जागरूक किया कि योजनाओं का लाभ लेना उनके अधिकार और अधिकार सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

सभा में ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी और रोजगार जैसी प्रमुख समस्याओं को सामने रखा। मंडल ने आश्वासन दिया कि सरकार बनने पर इन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

समर्थन और जनसंपर्क यात्रा का विस्तार

सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने अरुण कुमार मंडल को समर्थन देने का संकल्प लिया। जनसंपर्क यात्रा के अगले पड़ाव में आसपास के गांवों में जाकर लोगों को जागरूक करने का वचन भी लिया।

सभा का समापन जनता और नेताओं के जोशीले स्वागत के साथ हुआ। यह कार्यक्रम साबित करता है कि राजद के भावी प्रत्याशी अरुण कुमार मंडल जनता के बीच मजबूती के साथ अपनी पहचान बना चुके हैं और आगामी चुनाव में उनकी जीत की संभावनाएं मजबूत हैं।

आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन बरौनी द्वारा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

अशोक पासवान राज्य प्रमुख आपकी आवाज।

आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन बरौनी द्वारा संस्कार भवन बीहट में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र कोलकाता द्वारा निर्देशित कार्यक्रम में आकाश गंगा रंग चौपाल बरौनी, मिथिलांचल कला मंच बीहट और बाल रंगमंच के द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा गणेश कुमार के निर्देशन में क्रांतिकारी शायरों, गीतकारों के नज्मों की प्रस्तुति वतन का राग के रूप में की गयी। गीतों की श्रृंखलाबद्ध प्रस्तुति में कलाकार दिनेश दिवाना, आनंद कुमार, नरेश कुमार, रवि वर्मा, संतोष कुमार, बलिराम बिहारी, राजू कुमार, अंकित राज, गुड्डू, कन्हैया कुमार, निखिल, अभिलाषा,

आरुषि, पल्लवी, माही, निधि, नैना, किशन, शिवम, अनिमेश, महेश, बिट्टू, विश्वजीत सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। जबकि मिथिलांचल कला मंच बीहट के निर्देशन में अशोक कुमार पासवान के द्वारा लोक नृत्य कजरी औड्ड जट जटिन की प्रस्तुति की गयी। जिसमें निशु, रूपाली, माधुरी, कशिश, जिज्ञासा, आरती, पुष्पांजलि, बबली और बंटी ने अपने शानदार भाव भंगिमा से सबका मनमोहन लिया। कार्यक्रम के आखिरी पड़ाव पर बाल रंगमंच के द्वारा जुब्बा सहनी नाटक की प्रस्तुति की गयी। नाटक का लेखन व निर्देशन श्याम कुमार सहनी व संयोजन ऋषिकेश कुमार द्वारा किया गया। मंच पर विजेन्द्र, आयुष कुमार, राजेश कुमार, ऋषि कुमार, साक्षी कुमारी, नीतीश कुमार, आंचल कुमारी, आकाश कुमार, ऋषि कुमार, सुमित कुमार ने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उदघाटन पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र कोलकाता के राजश्री चंद्रा, शंभू नाथ दास, बेगूसराय कला संस्कृति पदाधिकारी श्याम कुमार सहनी, बेगूसराय खेल महासंघ के अध्यक्ष सुनील कुमार, नगर परिषद बीहट के उप मुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, संरक्षक संजय कुमार ललन, बीस सूत्री के उपाध्यक्ष यशस्वी आनंद, बरौनी पत्रकार संघ के अध्यक्ष विपिन राज, संगीत शिक्षिका राजमणि के द्वारा किया गया। इस अवसर पर आगत अतिथियों का सम्मान अध्यक्ष अमर ज्योति और सचिव गणेश गौरव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ कुंदन कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर हर घर तिरंगा को लेकर चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, राखी, पोस्टर, पत्र लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले लगभग 100 बच्चों का सम्मान किया गया। मौके पर कमल वत्स, एसोसिएशन के मनीष कुमार, राधे कुमार, शिव कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन बालक वर्ग का दमदार प्रदर्शन

फुटबॉल अंडर 16 में समस्तीपुर प्रखंड की टीम चैंपियन

समस्तीपुर : शिक्षा व खेल तथा बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन समस्तीपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता के तीसरे दिन बुधवार को पटेल मैदान व लाल कोठी खेल परिसर बालक संवर्ग के अंडर-14 व अंडर-16 में फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी व एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. खिलाड़ियों से खेल पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा ने परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया. डीएसओ ने बताया कि जिलास्तरीय मशाल खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालयों से काफी बढ़कर खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बालिका वर्ग के ही तरह बालक वर्ग में भी खिलाड़ी खेल के मैदान में अपनी खेल प्रतिभा दिखा रहे हैं. फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर-14 आयु वर्ग के लीग के बाद फाइनल मुकाबले में समस्तीपुर प्रखंड ने मोरवा की टीम को 4-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इधर एथलेटिक्स के अंडर-

16 बालक वर्ग के 800 मीटर दौड़ में समस्तीपुर के अमन कुमार ने प्रथम स्थान, पटोरी के अमित कुमार ने द्वितीय व मोरवा के राहुल देव कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. जबकि लंबी कूद में दलसिंहसराय के अमन कुमार, उजियारपुर के सौरभ कुमार सहनी व सरायरंजन के अंशु कुमार ने क्रमशः गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया. इसी तरह अंडर-14 वर्ग के 60 मीटर दौड़ में वारिसनगर के सतीश कुमार, समस्तीपुर के सिद्धार्थ कुमार व दलसिंहसराय के विशाल कुमार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। एंव 600 मीटर दौड़ में दलसिंहसराय के चंदन कुमार, मोहनपुर के सत्यम कुमार व पटोरी के नीतीश कुमार ने एंव लंबी कूद में पटोरी के अमरेश कुमार, खानपुर के मोहम्मद शहजाद आलम व कल्याणपुर के चंदन कुमार ने क्रमशः गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इधर लाल कोठी खेल परिसर में खेले गए कबड्डी मुकाबले के अंडर-14 आयु वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता के पहले राउंड में पूसा ने खानपुर को 2 अंक से, रोसड़ा ने बिथान को 15, हसनपुर ने मोरवा को 14, मोहनपुर ने शिवाजीनगर को 13 एवं उजियारपुर ने वॉकओवर के जरिए वारिसनगर को और दूसरे राउंड में दलसिंहसराय ने कल्याणपुर को 27, सरायरंजन ने सिंघिया को, पटोरी ने ताजपुर को 4, विभूतिपुर ने रोसड़ा को 19, उजियारपुर ने विद्यापतिनगर को 18 अंको से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। इसी तरह अंडर-16 आयु वर्ग के पहले राउंड में पूसा ने खानपुर को 25, रोसड़ा ने बिथान को 30, हसनपुर ने मोरवा को 10, मोहनपुर ने शिवाजीनगर को 15, सरायरंजन ने सिंघिया को 16, दलसिंहसराय ने कल्याणपुर को 6 अंकों से एवं दूसरे राउंड में पटोरी ने ताजपुर को 12, उजियारपुर ने विद्यापतिनगर को 20 और विभूतिपुर ने रोसड़ा को 21 अंको से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया. मौके पर जिला खेल पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि अचानक भीषण बारिश के कारण बहुत सारे खेल को रोक दिया गया है. कल मौसम के अनुकूल रहने पर अन्य प्रतियोगिता कराई जाएगी।

रेलकर्मियों की मांगों को लेकर आईआरईएफ एवं ईसीआरईयू ने डीआरएम के समक्ष किया धरना-प्रदर्शन

ECREU को कार्यालय आवंटित नहीं किये जाने से आक्रोशित रेलकर्मियों ने 15 अगस्त को सड़क पर करेंगे झंडोत्तोलन-सोहन कुमार यादव

डीआरएम के नाम सौंपा 11 सूत्री स्मार पत्र, मांग पूरा नहीं तो आंदोलन तेज होगा- संजीव कुमार मिश्र

ऐक्टू एवं गोपगुट ने धरना-प्रदर्शन को दिया समर्थन, नेताओं ने सभा को संबोधित किया

अमरदीप नारायण प्रसाद

समस्तीपुरः- चुनाव जीते महीनों बीत जाने के बाबजूद कार्यालय आवंटित नहीं किये जाने से खिन्न आईआरईएफ एवं ईसीआरईयू से जुड़े रेलकर्मियों ने बुधवार को डीआरएम के समक्ष ईसीआरईयू के मंडल मंत्री संजीव कुमार मिश्र की अध्यक्षता एवं संयुक्त सचिव सोहन कुमार यादव के संचालन में ध्यानाकर्षण धरना-प्रदर्शन प्रदर्शन किया। इस दौरान आयोजित सभा को चंदन कुमार यादव, नवीन कुमार निर्मल, संतोष कुमार मिश्रा, रत्नेश कुमार

सिंह, प्रमोद कुमार यादव, अंबुज कुमार, हरेश कुमार, राज कुमार, संजय कुमार, उमाशंकर चौहान, कैलाश पासवान, साजन कुमार, राजेश पासवान, प्रेम ठाकुर, अखिलेश कुमार, रौशन कुमार, शशिरंजन कुमार, पप्पू कुमार, मिथिलेश कुमार, अमरजीत कुमार, ऐक्टू के स्थानीय नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह, गोपगुट के जिला अध्यक्ष अजय, एलरसा, एससी-एसटी एसोसियेशन के कई नेताओं ने संबोधित किया। मान्यता प्राप्त रेल संगठन आईआरईएफ एवं ईसीआरईयू को कार्यालय आवंटित करने, लोकों पायलट डीयूटी आवर्स अधिकतम 9 घंटा लिमिट करने, परिचालन विभाग के पोआऔटमैन एवं स्टेशन मास्टर का डीयूटी 8 घंटा लागू करने, रेलवे में ठेका पर बहाल सभी कर्मियों को स्थाई करने, निजीकरण पर रोक लगाने, ओपीएस लागू करने, खाली पड़े पदों पर बहाली करने समेत 11 सूत्री मांग पत्र ईसीआरईयू के अध्यक्ष मिथिलेश ठाकुर, उपाध्यक्ष रिषि पाठक, मंडल मंत्री संजीव कुमार मिश्र, संयुक्त सचिव सोहन कुमार यादव आदि द्वारा डीआरएम को सौंपकर तत्काल कारवाई करने की मांग अन्यथा आंदोलन तेज करने की घोषणा की गई।

लेट्स प्ले गेम में नीता का किरदार निभाना बड़ी चुनौती थी

अभिनेत्री युक्ति कपूर ने अपनी आगामी फिल्म लेट्स प्ले गेम में अपने किरदार को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनके किरदार नीता की भावनात्मक दोहरी प्रकृति (एक ही समय में दो अलग-अलग प्रवृत्तियों के लोग) ने उन्हें इस भूमिका की ओर आकर्षित किया। अभिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए बतौर कलाकार एक बड़ी चुनौती थी, साथ ही एक सुनहरा मौका भी था, क्योंकि इस रोल में उन्हें कई तरह की भावनाओं को एक साथ जीने का मौका मिला।

युक्ति ने नीता के किरदार को लेकर कहा, नीता एक बहुत ही शांत स्वभाव की महिला है, जो बाहर से बहुत शालीन और नियंत्रित दिखाई देती है, लेकिन उसके अंदर बहुत कुछ चल रहा होता है। वह खुद को दुनिया के सामने मजबूत और सहज दिखाती है। वह अपने दर्द को बखूबी छुपा लेती है, और यही उसकी ताकत है। मुझे इस किरदार की भावनात्मक दोहरी प्रकृति ने आकर्षित किया, वह एक साथ कमजोर और शक्तिशाली है। फिल्म में ताश के खेल से जुड़े दृश्यों की तैयारी के बारे में युक्ति ने बताया, सेट पर ताश खेलना मुझे मेरे परिवार के साथ दिवाली की रातों की याद दिलाता था। बचपन में हम सभी बिना किसी गंभीरता के ताश खेलते थे, लेकिन इस किरदार के लिए मुझे खेल को गहराई से समझना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग के दौरान ब्रेक में हम सब साथ में ताश खेलते थे। यह हमारी कास्ट के लिए एक बंधन का जरिया बन गया। इसने हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को भी बेहतर बनाया। मैंने ताश इतनी अच्छी तरह सीख लिया कि इस दिवाली अगर मैं अपने परिवार या दोस्तों के साथ खेलूंगी, तो शायद मैं जीत जाऊंगी। फिल्म लेट्स प्ले गेम में अक्षित सुखीजा, डॉली चावला, कंगना शर्मा, एमी एला और रिब्बू मेहरा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म पांच शीर्ष खिलाड़ियों की कहानी है, जिनके रहस्य खेल के तीव्र होने के साथ सामने आते हैं। यह फिल्म 12 अगस्त 2025 से हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। हाल ही में युक्ति पति पत्नी और पड़ोसन नामक क्राइम थ्रिलर में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने प्रतिभा का किरदार निभाया था।

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे। कोई मेरे पास आकर खुद से नहीं कहेगा कि इस प्रोजेक्ट में काम करो, हम तुम्हारे लिए पैसा लगाएंगे। जो सबसे अच्छी बात रही वो ये है कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्रीज में काम करने का मौका मिला। हर भाषा, हर इंडस्ट्री एक नया अनुभव और नई सीख लेकर आई। अलग-अलग कल्चर को समझने और अपनाने का मौका मिला। यही मेरा असली ग्रोथ रहा है। सीखते हुए आगे बढ़ना।

किन-किन प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं?

एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म आने वाली है। इसके अलावा कई प्रोजेक्ट्स ऐसे हैं, जिनकी शूटिंग पूरी हो चुकी है लेकिन वे अभी रिलीज नहीं हुए हैं। जैसे कि एक शो है अनरियल, जो काफी अच्छा होने वाला है। इसी साल एक और फिल्म खामोश नजर आते हैं रिलीज होगी। इसके अलावा ओ मेरी नाम की एक फिल्म भी आएगी।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट के बाद क्या कुछ बदलाव देखने को मिले हैं?

सच कहूं तो मी टू मूवमेंट के बाद मैंने कन्नड़ इंडस्ट्री में काम नहीं किया है। ये मेरी कोई प्लानिंग नहीं थी, बल्कि मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट नहीं मिला। हालांकि, जब मैं वहां काम कर रही थी, तब माहौल काफी सुरक्षित और प्रोफेशनल था। मेरा आखिरी प्रोजेक्ट भी एक अच्छे अनुभव के साथ खत्म हुआ। उस दौरान मैंने कई फीमेल आर्टिस्ट्स की कहानियां सुनीं, जहां उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए कि कैसे उन्हें हैरेसमेंट का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि मी टू मूवमेंट के बाद इंडस्ट्री में जरूरी बदलाव हुए होंगे।

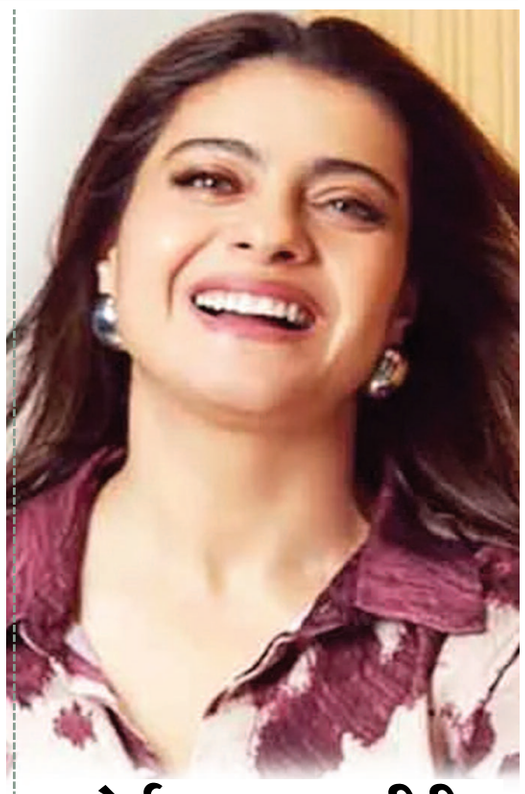

कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी ।

सूरज बड़जात्या ने सलमान के साथ फिल्म पर दिया बड़ा अपडेट

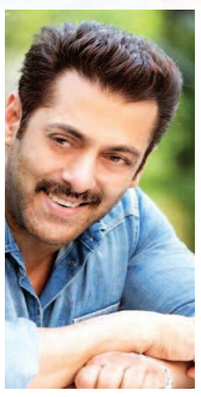

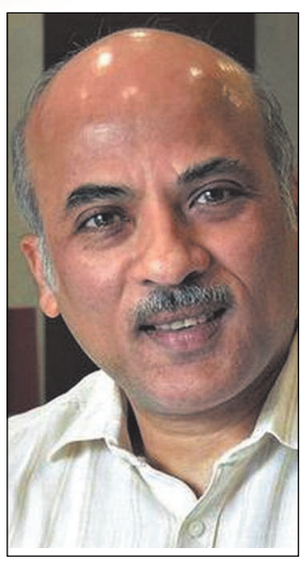

बॉलीवुड की सबसे चहेती एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ियों में से एक सलमान खान और सूरज बड़जात्या एक बार फिर साथ आने को तैयार हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक इस जोड़ी ने दर्शकों को 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी पारिवारिक फिल्मों के जरिए खूब एंटरटेन किया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अब ये जोड़ी एक नए पारिवारिक ड्रामा और लवस्टोरी के साथ वापसी कर रही है।

सूरज बड़जात्या ने फिल्म पर की बात

सूरज बड़जात्या ने जूम के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में जानकारी दी कि वो इस फिल्म के जरिए एक बार फिर वही पारिवारिक माहौल, सादगी और छोटे-छोटे पलों में छिपी खुशियों को दिखाने की कोशिश करेंगे, जो उनकी फिल्मों की पहचान रही हैं। उनका मानना है कि दर्शक आज भी ऐसी कहानियों से जुड़ते हैं जो दिल से कही गई हों और जिनमें रिश्तों की गर्माहट हो। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सलमान खान के लिए फिल्म लिखना इस बार एक चुनौती है क्योंकि वो चाहते हैं कि उनका किरदार उसी मस्तीभरे अंदाज में हो, लेकिन उम्र के अनुसार थोड़ा परिपक्व भी दिखे। इंटरव्यू में सूरज ने बताया है कि फिल्म की आधिकारिक घोषणा नवंबर में की जाएगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म को एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा बताया जा रहा है, जो राजश्री प्रोडक्शन की बाकी फिल्मों की ही तरह होगी। हालांकि अभी फिल्म में कौन काम करेगा, उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। सूरज बड़जात्या ने बस इतना कहा कि ये फिल्म दर्शकों को एक ऐसा अनुभव देगी, जिसमें रिश्ते, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों की झलक मिलेगी।

प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म ह्न के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। OG की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

तन्वीः द... का विषय ऑटिज्म पर है

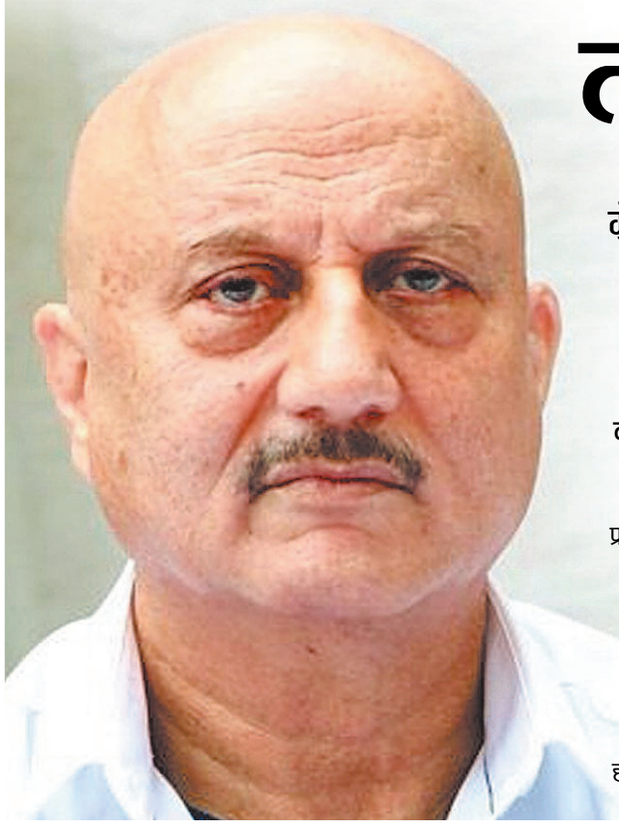

अनुपम खेर की फिल्म तन्वीः द ग्रेट ऑटिज़्म और सपनों को लेकर एक संवेदनशील कहानी है, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया है। उन्होंने फिल्म पर प्रतिक्रिया और करियर के अनुभव साझा किए...

क्या फिल्म को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बढ़कर रही?

बिल्कुल। दर्शकों से इतनी गहराई से जुड़ी प्रतिक्रियाएं पहले कभी नहीं मिलीं। एक 65 साल की महिला ने इसे अपनी जिंदगी की सबसे बेहतरीन फिल्म बताया। दिल्ली के डीएवी स्कूल जैसे संस्थान इसे छात्रों को दिखा रहे हैं। यह सिर्फ फिल्म नहीं, एक अनुभव बन गई है।

समाज में विशेष बच्चों को लेकर संवेदनशीलता की कमी क्यों है?

हमें किसी एक घटना से पूरे समाज का आकलन नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में मानसिक बीमारी या असहायता हो सकती है। लेकिन अब जागरूकता बढ़ रही है और तन्वी जैसी फिल्में इसी दिशा में बड़ा योगदान दे रही हैं।

सिनेमा क्या लोगों की सोच बदल सकता है?

सिनेमा सिर्फ पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज को प्रभावित करने की ताकत भी है। एक सच्ची और प्रेरणादायक कहानी दर्शकों के जेहन में रह जाती है और सोच में बदलाव लाती है। यह एक ऐसी बेटी की कहानी है जो अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

इस फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर क्या स्थिति है?

हमारे डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी और एक्सेल एंटरटेनमेंट इस पर काम कर रहे हैं। जैसे ही डील फाइनल होगी, फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।

बतौर निर्देशक अगली फिल्म किस विषय पर होगी?

मेरे पास कुछ अलग-अलग कहानियां हैं जिन पर काम कर रहा हूं। पहले अभिनेता के तौर पर अपने रुके हुए प्रोजेक्ट पूरे करूंगा, फिर अगली डायरेक्शन शुरू करूंगा। निर्देशन में मुझे बहुत आनंद आया। तन्वी : द ग्रेट ने भीतर तक झकझोरा है। फिल्म की स्कूलों में स्क्रीनिंग हो रही। इसे पैसे से नहीं तौल सकते।

अब तक की बायोपिक्स में सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार कौन-सा रहा?

डॉ. मनमोहन सिंह का किरदार सबसे कठिन था। लोग उन्हें रोज टीवी पर देखते हैं, तो एक सीमित दायरे में रहकर गहराई दिखाना आसान नहीं था। इस रोल पर मैंने करीब 8-9 महीने काम किया। बाकी जो किरदार मैंने निभाए हैं, वे आज के दौर में इतने प्रचलित नहीं हैं, जैसे जयप्रकाश नारायण जी का किरदार। अभी मैं एक और किरदार पर काम कर रहा हूं जिसके बारे में जल्दी ही सभी को पता चलेगा।

इसे तारे जमीन पर जैसी शैली में क्यों नहीं दिखाया?

यह कहानी किसी सोच-समझ के तहत नहीं, बल्कि दिल से निकली है। यह सिर्फ ऑटिज्म नहीं, बल्कि पिता-बेटी के रिश्ते, मां के संघर्ष, दादा के सपनों और भारतीय सेना की मदद से एक बच्ची की उड़ान की कहानी है। इसमें संगीत और भावना दोनों हैं।

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक प्रकाशक, एवं प्रधान संपादक, पी. के. कर्ण दूरभाष : 7209222811, कार्यकारी संपादक, डॉ. बी. के. मल्लिक, मोबाइलः 9810075792
ईमेलः aapkiawaazhindinewschannel@gmail.com, नई दिल्ली से डी 45A, जैतपुर पार्ट 2, नई दिल्ली 110044 द्वारा प्रकाशित, एवं पी0के0 प्रिंटिंग वर्क्स, वैशाली से मुद्रित।